प्रतिभागिता शुल्क (पंजीयन)

क्रमांक	प्रतिभागी	शुल्क
1.	प्राध्यापक	500
2.	शोधार्थी	300
3.	विद्यार्थी	200

शोध पत्र एवं सारांश आमंत्रण

संगोष्ठी के विषय से सम्बद्ध किसी भी पक्ष पर शोधपत्र आमंत्रित है। शोधपत्र के लिए अधिकतम शब्द सीमा 3000 एवं शोध सारांश के लिए 500 है। शोधपत्र एवं सारांश हिन्दी फॉन्ट यूनीकोड साईज 14 अथवा अंग्रेजी में Times New Roman font 12 मे होने चाहिए।

चयनित शोध पत्रों को ISBN के साथ पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित भी किया जाएगा। पुस्तक प्राप्ति के लिए रू. 500 अतिरिक्त शुल्क देय होगा। शोधपत्र एवं सारांश 10जनवरी 2023 तक MS Word फाईल एवं PDF फाईल में इस पते पर मेल करें – seminargcb2023@gmail.com

नोट : प्रतिभागियों के जलपान, भोजन का प्रबंध आयोजक संस्था द्वारा किया जायेगा। आवास का प्रबंध एवं मार्गव्यय का वहन प्रतिभागियों को स्वयं करना होगा।

ऑनलाईन पंजीयन फॉर्म लिंक –
https://forms.gle/rJ2Y8m9wNp8DGWxf7

व्हाट्सएप्प ग्रुप लिंक –
https://chat.whatsapp.com/CC7AZagOsM3IsplFoUuO53

टेलीग्राम से जुड़ने का लिंक –
Https://telegram.me/+0btqsO2UIQw4Y2I9

संपर्क मोबाईल नं. –
9977771846, 8770832077

ऑनलाईन पेमेंट के लिए क्यू आर कोड –

Nand Kumar Dewangan
PhonePe Number
9977920198

संरक्षक

श्री नंदकुमार देवांगन,
प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर

परामर्श मंडल

1. **डॉ0 एस0 एस0 अग्रवाल,** अपर संचालक, उच्च शिक्षा, सरगुजा संभाग
2. **डॉ0 के. एल. टाण्डेकर,** प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय पी.जी. कालेज राजनांदगांव
3. **डॉ0 ज्योति सिन्हा, प्राचार्य,** शासकीय रा.मो.दे. पी.जी. कालेज अम्बिकापुर
4. **डॉ0 ए0ए0 खान,** प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग, शासकीय दानवीर तुलाराम पी.जी. महाविद्यालय उतई,
5. **डॉ0 विनोद कुमार अग्रवाल,** प्राचार्य, ए.पी.एस. शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़
6. **डॉ0 अनिल कुमार सिन्हा,** भूगोल विभाग, रा.गा. शासकीय पीजी कालेज अम्बिकापुर
7. **डॉ0 एस. एन. पाण्डेय,** अंग्रेजी विभाग, रा.गा. शासकीय पीजी कालेज अम्बिकापुर
8. **डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह,** सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय घरघोडा, रायगढ़
9. **डॉ0 आर0 बी0 सोनवानी,** प्राचार्य, शासकीय लरंगसाय पी.जी. महाविद्यालय रामानुजगंज
10. **डॉ0 रामकिंकर पाण्डेय,** प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय चिरमिरी
11. **श्री सुधीर कुमार सिंह,** प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय वाड्रफनगर
12. **डॉ0 उमेश कुमार पाण्डेय,** सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, रा.गा. शासकीय पी.जी.कालेज अम्बिकापुर
13. **श्री नीलम संजीव एक्का,** सहायक प्राध्यापक, समाजशात्र, शासकीय महाविद्यालय मंचादूर, दुर्ग
14. **श्री पीयुष टाण्डे,** सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, शासकीय बी.पी. लोधी महाविद्यालय आरंग
15. **श्री विनीत कुमार गुप्त,** सहा.प्रा. राजनीतिशास्त्र,रा.गा.शासकीय पीजी कालेज अम्बिकापुर

आयोजन समिति

1. **श्री ओम शरण शर्मा,** सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर साईंस, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर
2. **श्री योगेश कुमार राठौर,** सहायक प्राध्यापक, इतिहास, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर
3. **श्री बी. एक्का,** सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर
4. **श्री अमरदीप एक्का,** सहा. प्राध्यापक, राजनीति, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर
5. **श्री वैभव कुमार,** सहा0 प्रा0, वनस्पतिशास्त्र, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर
6. **डॉ0 अश्वनी कुमार विश्वकर्मा,** क्रीड़ाधिकारी, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर

संयोजक
डॉ. पुनीत कुमार राय
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी
अरूण प्रताप सिंहदेव
महाविद्यालय शंकरगढ़ (छ0ग0)

सह संयोजक
श्री नन्दकिशोर सिंह
सहायक प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र
शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर

आयोजन सचिव
श्री अगस्टिन कुजुर
सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी
शासकीय नवीन कन्या
महाविद्यालय बलरामपुर

आयोजन सह सचिव
डॉ. सत्यनारायण साहू
सहायक प्राध्यापक, रसायनशास्त्र
शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर एवं शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर (छ0ग0)

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

21 जनवरी 2023

'भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अध्याय एवं आदर्श'

आयोजक
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर
एवं
शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर (छ0ग0)

संपोषक
उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

कार्यक्रम स्थल
महाविद्यालय प्रांगण, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर

महोदय / महोदया,

सादर नमस्कार, आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर एवं शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर, छ.ग. के संयुक्त तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में **''भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अध्याय एवं आदर्श''** विषय पर दिनांक 18.01.2023 को एक दिवसीय **राष्ट्रीय संगोष्ठी** का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी में भारतीय स्वाधीनता संग्राम के विभिन्न आयामों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया जाएगा। इस आयोजन में आप सभी प्राध्यापक, विद्वतजन शोधार्थी, विद्यार्थी सादर आमंत्रित हैं। इस संगोष्ठी में सहभागिता से निःसंदेह आप समृद्ध होंगें आपकी सहभागिता, उपस्थिति से हमारा उत्साहवर्धन होगा एवं हम गौरवान्वित होंगे।

विषय की महत्ता

सौ–डेढ़ सौ वर्ष की कालावधि में विस्तृत भारतीय स्वाधीनता संग्राम, भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह केवल ब्रिटिश पराधीनता से मुक्ति भर का संघर्ष नहीं था, अपितु यह एक राष्ट्र के रूप में भारत के 'स्व' की पहचान एवं प्रतिष्ठा का राष्ट्रीय उद्यम भी था। इसमें हर उस जकड़न, रूढ़ि, रूग्णता से मुक्ति का स्वप्न–संकल्प था जिसने एक महान राष्ट्र को दीनता एवं अवनति के गर्त में ढकेल दिया था। इस मुक्ति संग्राम में अज्ञानता, अंधविश्वास, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, अकर्मण्यता, कूपमंडूकता इत्यादि के विरूद्ध संघर्ष है। राजनीतिक संगठनों, संस्थाओं, आंदोलनों के साथ इस मुक्ति संग्राम में सभा, समाज, संघ और आश्रम भी हैं जो जागरण–सुधार का प्रेरणादायी एवं परिवर्तनकामी परिवेश निर्मित करते हैं। 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' के आह्वान के साथ इस मुक्ति संग्राम में स्त्री, दलित, किसान, मजदूर, गांव से जुड़े मुद्दे एवं मुहिम भी है। इसमें अतीत का अन्वेषण है, भारत की खोज है, समरसता के सूत्र है, राष्ट्रभाषा का प्रश्न है, शैक्षणिक सरोकार है, संस्कृति के सवाल हैं। छिट–पुट विद्रोहों से शुरू होकर यह मुक्ति संग्राम एक व्यापक एवं अखिल भारतीय जनांदोलन बनता है। अनगिनत ज्ञात–अज्ञात नायकों के उद्यम, उत्सर्ग से स्वाधीनता का सूर्य उदित होता है और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में एक नए भारत का जन्म होता है। अपने समग्र रूप में भारतीय स्वाधीनता संग्राम पराधीन राष्ट्र की पद दलित अस्मिता के अपनी संपूर्ण प्रभा के साथ पुनरोदय का एक विराट राष्ट्रीय पुरूषार्थ था। जिसका बार–बार स्मरण–चिंतन किया जाना चाहिए। 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अध्याय एवं आदर्श' विषयक यह संगोष्ठी इसी निमित्त है।

विमर्श के विषय :–

1. ब्रिटिश कालीन भारत में हुए विभिन्न विद्रोह।
2. भारतीय नवजागरण ।
3. 1857 का विद्रोह।
4. स्वाधीनता के सेनानी।
5. स्वाधीनता आंदोलन में रचनात्मक कार्यक्रम।
6. स्वाधीनता संग्राम में स्त्री, दलित, आदिवासी, किसान, मजदूर प्रश्न।
7. स्वाधीनता आंदोलन में दलितों की भूमिका।
8. स्वाधीनता आंदोलन में स्त्रियों की भूमिका।
9. स्वाधीनता आंदोलन में युवाओं की भूमिका।
10. स्वाधीनता आंदोलन में आदिवासियों की भूमिका।
11. स्वाधीनता संग्राम में छत्तीसगढ़ की भूमिका।
12. स्वाधीनता संग्राम में मठों, मंदिरों, धर्माचार्यों की भूमिका।
13. आजादी के 75 साल में छत्तीसगढ़ में विविध सरकारी योजनाएं और उनका क्रियान्वयन।
14. आजादी का आंदोलन और आमजन।
15. स्वाधीनता संग्राम के विभिन्न विवाद, बहसें, विसंगतियां एवं विफलताएं।
16. स्वाधीनता संग्राम और साहित्य।
17. स्वाधीनता संग्राम और पत्रकारिता।
18. स्वाधीनता संग्राम में विदेशियों की भूमिका।
19. अतीत का अन्वेषण।
20. भारत की अवधारणा।
21. स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत।
22. सुराज के सपने।
23. भारतीय राष्ट्रवाद का ताना–बाना।
24. सत्याग्रह।
25. सामाजिक न्याय।
26. चरखा।
27. स्वाधीनता संग्राम में आर्थिक प्रश्न।
28. शिक्षा की संकल्पना, इत्यादि।

महाविद्यालय एवं नगर का परिचय

शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर एवं शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के बलरामपुर जिला के जिला मुख्यालय बलरामपुर में स्थित है। सन 2008 में स्थापित शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में सह शिक्षा है एवं यहां स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित है। शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर को सन 2021 में स्थापित किया गया। यह स्नातक स्तरीय महाविद्यालय है। दोनों महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले अधिकांश छात्र–छात्राएं ग्रामीण परिवेश एवं आदिवासी वर्ग से आते हैं। खनिज एवं वन सम्पदा से समृद्ध बलरामपुर एक आदिवासी बहुल जिला है। इस जिले की सीमाएं उत्तर प्रदेश एवं झारखण्ड को स्पर्श करती है। बलरामपुर संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर से 80 कि.मी., गढ़वा से 75 कि.मी., वाराणसी से 280 कि.मी., रायपुर से 420 कि.मी., बिलासपुर से 310 कि.मी. है। इन स्थानों से बलरामपुर सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। रेलगाड़ी सुविधा अम्बिकापुर तक ही है जहां दुर्ग से व्हाया रायपुर, बिलासपुर, जबलपुर, शहडोल, दिल्ली से रेलगाड़ी चलती है। तातापानी, डीपाडीह, पवई फाल, बलरामपुर के प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हैं।